अन्तरसांस्कृतिक संचार और भाषा विज्ञान (Intercultural communication and Linguistics)

द्वारा-
डॉ. परमात्मा कुमार मिश्र
असिस्टेंट प्रोफेसर
मीडिया अध्ययन विभाग
महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय
मोतिहारी, बिहार
ई-मेल: pkmishra@mgcub.ac.in

अन्तरसांस्कृतिक संचार का भाषा विज्ञान के साथ गहरा और स्थाई सम्बन्ध है। भाषा विज्ञान के सभी पहलुओं और आयामों की किसी न किसी रूप में आवश्यकता अन्तरसांस्कृतिक संचार करते समय पड़ती हैं लेकिन भाषा विज्ञान के एक प्रकार अनुप्रयुक्त भाषा (Applied Linguistic) विज्ञान के नृभाषा विज्ञान (Anthropological Linguistics) और क्षेत्रीय भाषा विज्ञान (Area Linguistics) से अन्तरसांस्कृतिक संचार का अन्योन्याश्रित संबंध है।

अन्तरसांस्कृतिक संचार और भाषा विज्ञान के अंतरसंबंधों का अध्ययन से पूर्व क्रमशःभाषा विज्ञान और अन्तरसांस्कृतिक संचार की अर्थ, परिभाषा और प्रकारों का ज्ञान आवश्यक है, जिसे आगे प्रस्तुत किया है-

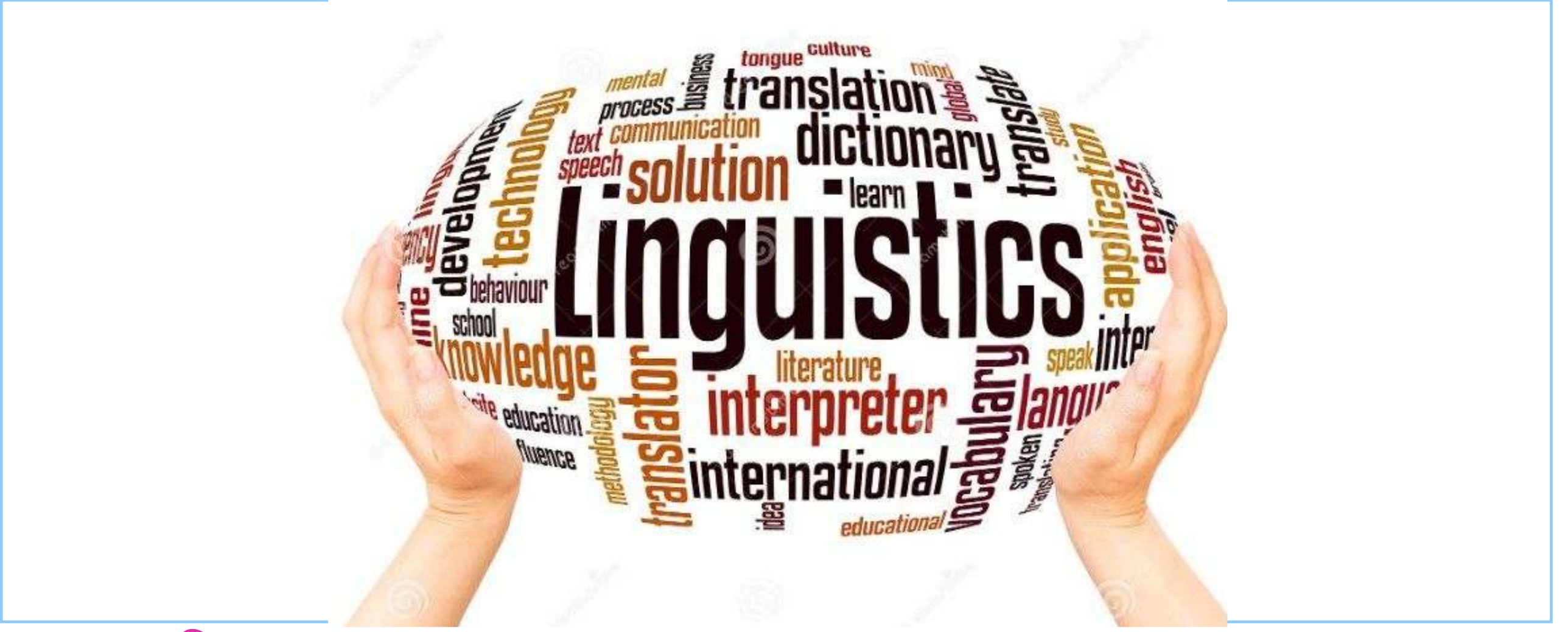

*भाषा विज्ञान-

भाषा अध्ययन की वह शाखा जिसमें भाषा की उत्पत्ति, संरचना, विकास अर्थ और संदर्भ आदि का वैज्ञानिक एवं विश्लेषणात्मक अध्ययन किया जाता है, भाषा विज्ञान कहलाता है। यह व्याकरण से भिन्न हैं क्योंकि व्याकरण में किसी भाषा का कार्यात्मक अध्ययन(functional description) किया जाता है जबकि भाषा विज्ञान में भाषा का अत्यंत व्यापक अध्ययन भाषा विज्ञानी करता है।

भाषाविज्ञान को दो भागों में विभाजित किया गया है-

१-सैद्धान्तिक भाषा विज्ञान (Theoretical Linguistics)
२-अनुप्रयुक्त भाषा विज्ञान (Applied Linguistics)

◆सैद्धान्तिक भाषा विज्ञान में भाषा की उत्पत्ति से लेकर उसके उच्चारण और भाषा के व्याकरण का अध्ययन शामिल है, जिसमें निम्नलिखित भाग है-

(क) ध्वनि विज्ञान **(Phonetics)**-मानव मुख से उच्चरित सार्थक ध्वनि की उत्पत्ति, प्रसार और श्रवण का अध्ययन **(**शाखा-औचारिकी, संचारिकी, श्रौतिकी**)**

(ख) रूप विज्ञान **(Morphology)**-वाक्य की आंतरिक, बाह्य संरचना, प्रकार, अर्थ, दो वाक्यों के मिलकर बनने की प्रक्रिया, उनका भाषा मे प्रयोग का अध्ययन **(**सरल वाक्य, मिश्रितवाक्य, संयुक्तवाक्य**)**

(ग) वाक्यविज्ञान **(Syntax)**- ध्वनियों से मिलकर शब्द बनने की प्रक्रिया का अध्ययन। जिसमें निरर्थक ध्वनियों से अर्थवान शब्द, धातुओं में प्रत्यय लगने और नए शब्द के बनने की प्रक्रिया आदि शामिल है।

(घ**)** अर्थ विज्ञान **(Semantics)**- इसमें भाषा के अर्थ पक्ष का अध्ययन किया जाता है। अर्थ के संबंध में अनुलग्नता, पूर्वमान्यता, खण्डीकरण, पर्याय आदि सिद्धान्तों का अध्ययन

◆ अनुप्रयुक्त भाषा विज्ञान **(Applied Linguistics)**- भाषा से संबंधित वह कार्य जो समाज के भिन्न-भिन्न क्षेत्रों में किए जाते हैं, उसका अध्ययन अनुप्रयुक्त भाषा विज्ञान के अंतर्गत किया जाता है। इसके अंतर्गत निम्नलिखित आते है-

(क) संगणनात्मक भाषा विज्ञान **(Computational Linguistics)**- जिसमें भाषा का विकास और उपयोग कम्प्यूटर माध्यम के लिए किया जाता है।

(ख) अनुवाद **(Translation)**- स्रोत भाषा से लच्छित भाषा में अर्थ का स्थानांतरण करने का अध्ययन

(ग) कोश विज्ञान **(Lexicology)**- भाषा मे प्रयुक्त होने वाले शब्दों के अर्थों को स्पष्ट करना

(घ) समाज-भाषा विज्ञान **(Socio-linguistics)**- समाज में व्यक्ति, समूह, आयु, स्थिति-परिस्थिति के अनुरूप भाषा उपयोग का अध्ययन

(च) भाषा शिक्षण **(Language Teaching)**-शिक्षण में भाषा के द्वारा अध्ययन-अध्यापन संबंधी कार्य को सरल बनाने के तौर-तरीकों का अध्ययन

(छ) प्रोक्ति **(Discourse)**- जिसमें भाषा को वाक्य से ऊपर के स्तर पर देखा जाता है। भाषा के निश्चित संप्रेषणात्मक प्रकार्य को प्रोक्ति कहते है।

(ज) शैली विज्ञान **(Stylistics)**- लेखक के अनुभूति या भावाभिव्यक्ति के प्रस्तुत करने के ढंग या पद्धति का गुणों के आधार पर निर्धारण करना

(झ) व्युत्पत्ति विज्ञान **(Estymology)**-शब्दों के मूल का अध्ययन

(ट) सांख्यिकी भाषा विज्ञान **(Statistical Linguistics)**- सांख्यिकी के आधार पर भाषा के विभिन्न पक्षों पर विचार

(ठ) मनोभाषा विज्ञान **(Psycho Linguistics)**- मन में भाषा की उत्पत्ति के कारणों आदि का अध्ययन

(ड) जैविक भाषाविज्ञान **(Bio-Linguistics)**- भाषा के विकास और प्रयोग हेतु जिम्मेदार जैविक परिस्थितियों का अध्ययन

(ढ) नृभाषा विज्ञान **(Anthropological Linguistics)**- भाषा विज्ञान का वह क्षेत्र जिसमें मनुष्य जाति की उत्पत्ति से लेकर विकास त की भाषा के विकसित होने का अध्ययन

(त) क्षेत्रीय भाषा विज्ञान **(Area Linguistics)**- भाषा विज्ञान की वह शाखा जिसमें किसी क्षेत्र विशेष से जुड़ी भाषा का अध्ययन किया जाता है।

(थ) फॉरेंसिक भाषा विज्ञान **(Forensic Linguistics)** - हस्ताक्षर, दिए गए बयान, फोन टैपिंग, संभाषण, रिकॉर्डर आदि से भाषा और अन्य अपराधों के लिखित दस्तावेज का सूक्ष्म अवलोकन फॉरेंसिक भाषा विज्ञान द्वारा किया जाता है।

(द) क्षेत्र कार्य भाषा विज्ञान **(Field Linguistics)** - उन क्षेत्र विशेष की भाषाओं का अध्ययन जो लुप्त होने के कगार पर हैं।

अन्तरसांस्कृतिक संचार **(Intercultural Communication)**

अंतर सांस्कृतिक संचार विभिन्न सांस्कृतिक पृष्ठभूमि के लोगों के बीच शाब्दिक **(Verbal)** और अशाब्दिक **(Non-verbal)** संचार है। यह अच्छी तरह से दो पारम्परिक संस्कृतियों के बीच का संचार है। कभी-कभी, इसका उपयोग एक ऐसे व्यक्ति का वर्णन करने के लिए किया जाता है जो विदेशी वातावरण में बातचीत य सम्प्रेषण करने की कोशिश कर रहा होता है। अन्तरसांस्कृतिक संचार दो-तरफा संचार **(two-way communication)** है, जहां दो संस्कृतियों के लोग अपने संचार को बेहतर बनाने की कोशिश करते हैं, जिससे एक दूसरे की बातों को समझा जा सके और आवश्यकतानुरूप उसका बेहतर परिणाम प्राप्त की जा सके

अन्तर-सांस्कृतिक संचार की महत्ता **(Importance of Intercultural communication)**

●अन्तर-सांस्कृतिक संचार के समय एक ऐसी भावना या दृष्टिकोण विकसति ह
जाती है जिसके अनुसार व्यक्ति अपनी निजी संस्कृति के संकीर्ण दृष्टिकोण से उप
उठकर अपने देश तथा विश्व की विभिन्न संस्कृतियों के उन समान तत्वों की खो
कर डालता है जिनके द्वारा किसी देश की विभिन्न संस्कृतियों को एक राष्ट्रीय संस
में बाँधा जा सकता है।

● अन्तरसांस्कृतिक सम्प्रेषण में व्यापक दृष्टिकोण के विकसित हो जाने से व्यक्
अन्य सभी समूहों एवं सम्प्रदायों के आदर्शों, मूल्य, रीती-रिवाजों तथा परम्पराओं
एवं वेश-भूषा और भाषा को समझने का प्रयास करता है। परिणामस्वरूप वह कि
संस्कृति के तुच्छ एवं घृणित दृष्टि का परित्याग करते हुए सभी संस्कृतियों का अ
और सम्मान करने लगता है। इसमें भाषा कौशल महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

अन्तरसांस्कृतिक संचार और भाषा विज्ञान के संबंध और आयाम (Relations and dimensions of Intercultural communication and Linguistics)

अन्तरसांस्कृतिक संचार का संबंध भाषा विज्ञान के सैद्धान्तिक (Theoretical) और अनुप्रयुक्त (applied) दोनों रूपों से हैं-

- अन्तरसांस्कृतिक संचार और सैद्धान्तिक भाषा विज्ञान -
  - *ध्वनि विज्ञान
  - *रूप विज्ञान
  - *वाक्य विज्ञान
  - *अर्थ विज्ञान

अन्तरसांस्कृतिक संचार की प्रक्रिया में अनुप्रयुक्त या व्यावहारिक भाषा विज्ञान के लगभग सभी भागों, आयामों या पहलुओं का उपयोग आवश्यकतानुसार होता है-

*संगणनात्मक भाषा विज्ञान
*अनुवाद
*कोश विज्ञान
*समाज भाषा विज्ञान
*भाषा शिक्षण
*प्रोक्ति/पाद
*शैली विज्ञान

*व्युत्पत्ति भाषा विज्ञान
*साँख्यिकी भाषा विज्ञान
*मनोभाषा विज्ञान
*जैविक भाषा विज्ञान
*नृभाषा विज्ञान
*क्षेत्रीय भाषा विज्ञान
*फोरेंसिक भाषा विज्ञान
*क्षेत्र कार्य भाषा विज्ञान

समाज भाषा विज्ञान (Socio-linguistics), नृभाषा विज्ञान (Anthropological Linguistics) और क्षेत्रीय भाषा विज्ञान (Area Linguistics) तो पूर्णतया अन्तरसांस्कृतिक संचार से संबंधित हैं।

सन्दर्भ-

१. शर्मा, राजमणि, आधुनिक भषाविज्ञान; २००९, वाणी प्रकाशन जयभारत प्रेस दिल्ली.

२. सिंह, कृपाशंकर/ सहाय,चतुर्भुज, आधुनिक भाषाविज्ञान;२००८, वाणी प्रकाशन जयभारत प्रेस दिल्ली.

३. तिवारी भोलानाथ, हिंदी भाषा की संरचना; आवृत्ति संस्करण २०१५,वाणी प्रकाशन दरियागंज नई दिल्ली.

४. द्विवेदी, कपिलदेव, भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र; २०१४,विश्वविद्यालय प्रकाशन वाराणसी.

५. रस्तोगी, कविता, समसामायिक अनुप्रयुक्त भाषाविज्ञान; २०१२, अविराम प्रकाशन, दिल्ली.

६-लेख-आम्रपाल शेंद्रे एवं डॉ. अम्ब्रीश त्रिपाठी - कंप्यूटेशनल भाषाविज्ञान विभाग, महात्मा गाँधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय वर्धा में अध्यापनरत हैं।

7-https://books.google.co.in

धन्यवाद

Thanks